R.N. Shahu
J.M.S. College

B.A. Part-I Philosophy (H) Paper-I

Objective Type Questions (True or False Statements)

(1) चार्वाक के अनुसार अनुमान एकमात्र प्रमाण है। – असत्य
(2) प्रतीत्यसमुत्पाद कारणता का सिद्धान्त है। – सत्य
(3) जैमिनी सांख्य दर्शन के प्रवर्तक हैं। – असत्य
(4) योग दर्शन में ईश्वर कर्त्ता, पालक एवं संहारक नहीं है। – सत्य
(5) रामानुज सगुण ब्रह्म में विश्वास करते हैं। – सत्य
(6) भारतीय दार्शनिक परम्परा में चार्वाक एक अपवाद है। – सत्य
(7) ऋषभदेव जैन दर्शन के अंतिम तीर्थंकर हैं। – असत्य
(8) 'स्याद्वाद' को 'अनेकान्तवाद' के नाम से भी जाना जाता है। – सत्य
(9) शंकर के अनुसार मोक्ष दुःख से मुक्ति है। – सत्य
(10) बौद्ध दर्शन आत्मा के अस्तित्व में विश्वास करता है। – असत्य
(11) गौतम न्याय दर्शन के प्रवर्तक हैं। – सत्य
(12) स्याद्वाद संशयवाद है। – असत्य
(13) परिणामवाद की धारणा शंकर की है। – असत्य
(14) भारतीय दर्शन के छः सम्प्रदाय हैं – असत्य
(15) बुद्ध वेद में विश्वास करते हैं। – असत्य
(16) चार्वाक का सिर्फ वर्तमान सुख में विश्वास है। – सत्य
(17) न्याय दर्शन अपने ज्ञानमीमांसा के लिए जाना जाता है। – सत्य
(18) शंकर के अनुसार सिर्फ ब्रह्म ही सत्य है, जगत् प्रतीति मात्र है। – सत्य
(19) शंकर के अनुसार संसार मात्र व्यावहारिक दृष्टि से असत्य है। – असत्य
(20) न्याय के अनुसार प्रमाणों की संख्या चार है। – सत्य
(21) आसन और प्राणायाम पतंजलि की मौलिक देन है। – सत्य
(22) बुद्ध पुनर्जन्म में विश्वास करते हैं। – सत्य
(23) भारतीय दर्शन में भौतिकवाद का उदाहरण शायद ही मिलता है। – असत्य
(24) चार्वाक भारतीय दर्शन के नास्तिक शिरोमणि माने जाते हैं। – सत्य
(25) त्रिरत्न की अवधारणा बुद्ध की है। – असत्य
(26) वैशेषिक दर्शन के प्रतिपादक कपिल हैं। – असत्य
(27) वैशेषिक दार्शनिकों के अनुसार पदार्थ छः हैं। – सत्य
(28) न्याय दर्शन के अनुसार अनुमान ज्ञान का एकमात्र साधन है। – असत्य